# देखो चामुंडा नाच रही ताल में भजन लिरिक्स

नेत्र अग्नि पुंज ज्वाल,
कर रही तांडव कराल,
त्राहि-त्राहि दानवों की चाल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल मे।bd।

---

खप्पर त्रिशूल रखें,
भैरवी विपुल रखें,
मस्तक पर चंद्रमा है,
नागिन से केश रखें,
लटक रही अरी मुंडमाल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल मे।bd।

---

खडकी से मार रही,
पैरों से रोन्ध रही,
जो काले केशो में,
दामिनी सी कोध रही,
जीभ लभलभाति फिरे ज्वाल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल मे।bd।

---

भक्तों की खातिर माँ,
धरती पर आती रही,
दुष्टों को मार के,
हमको बचाती रही,
मंत्री भी नाचे लाई ताल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल मे।bd।

---

नेत्र अग्नि पुंज ज्वाल,
कर रही तांडव कराल,
त्राहि-त्राहि दानवों की चाल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल में,
देखो चामुंडा नाच रही ताल मे।bd।

गायक – द्वारका मंत्री।
देवास मध्य प्रदेश 9425047895

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com